98 वा वैज्ञानिक बकरी पालन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अनु. प. - केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, फरह, मथुरा में चल रहे 98 वा वैज्ञानिक बकरी पालन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज दिनाँक 07 फरवरी 2023 को सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 11 राज्यों से कुल 76 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुये, जिनमें 3 महिलाएं भी थीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को व वैज्ञानिक बकरी पालन के विभिन्न आयामों को लिखित और व्यावहारिक माध्यम से अवगत कराया गया। इसमें बकरियों के अनुवांशिक संसाधन, उनका फैलाव एवं उपयोगिता पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। इसके साथ-साथ बकरियों के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्र में पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण, प्रजनन, कृतिम गर्भा धान एवं समग्र प्रबंधन पर भी विभिन्न व्याख्यान और प्रयोगिक सत्र हुये। बकरी से प्राप्त उत्पादों के गुण एवं उनके मूल्य संवर्ध न पर विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया। बकरी पालन हेतु परियोजना निर्माण और उनके विपडन के साथ -साथ मेमनों के प्रबन्धन के बारे में भी प्रशिक्षुओं को जानकारी दी गई। कुल मिलाकर इन सात दिनों के प्रशिक्षण में संस्थान की ओर से यह कोशिश रही है कि प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बकरी पालन और उनके समग्र प्रबंधन में किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। प्रशिक्षणार्थियों की प्रतिक्रिया से पता लग रहा था कि इस प्रशिक्षण के बाद उनका आत्मबल एवं आत्म विश्वास बढ़ा हुआ है । इस प्रशिक्षण का समापन निदेशक डॉ मनीष कुमार चेटली की अध्यक्षता में कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ । समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक श्री पूरण प्रकाश रहे जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्री एस डी पवार, एस डी एम मथुरा उपस्थित थे। क्षेत्र के खण्ड विकास अधिकारी श्री रमेश चंद्र शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे। निदेशक डॉ मनीष कुमार चेटली ने अपने उद्‌बोधन में इस प्रशिक्षण के उद्‌देशय, महत्त्व, संस्थान की उपलब्धियों के साथ-साथ संस्थान से सम्बंधित चुनौतियों का जिक्र किया। एस डी एम मथुरा ने बकरी उद्‌दयम से जुड़े लोगों के लिए सुझाव रखे एवं बकरी उत्पाद विशेषकर दूध की खूबियों और उसके बाजार मूल्य पर अपनी बात कही। श्री पूरण प्रकाश, विधायक, बलदेव, मथुरा प्रशिक्षणार्थियों से व्यक्तिगत रूप से रु-बरु हुये और बकरी संस्थान से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से रोजगार सृजन में सहायता मिलती है। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षुओं से यह भी आवाहन किया कि वे इसके बाद रोजगार ढूढ़ने के बजाय बकरी पालन एवं सम्बंधित उद्‌दयम के क्षेत्र में रोजगार सृजनकर्ता की भूमिका निभायें। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन इस अपेक्षा के साथ हुआ कि सभी प्रशिक्षु बकरी पालन के क्षेत्र में अच्छा कार्य करेंगे और संस्थान के दूत के रूप में काम करते हुये नये लोगों को भी इस उद्‌दयम से जोड़ेंगे।

98 वां वैज्ञानिक बकरी पालन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
98th National Training Programme on Scientific Goat Farming

98 वां वैज्ञानिक बकरी पालन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
98th National Training Programme on Scientific Goat Farming
Date: 1 February to 7 February, 2023 (7 Days)

98 वां वैज्ञानिक बकरी पालन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
98th National Training Programme on Scientific Goat Farming
भाकृअनुप
ICAR